This PDF you are browsing now is a digitized copy of rare books and manuscripts from the Jnanayogi Dr. Shrikant Jichkar Knowledge Resource Center Library located in Kavikulaguru Kalidas Sanskrit University Ramtek, Maharashtra.

KKSU University (1997- Present) in Ramtek, Maharashtra is an institution dedicated to the advanced learning of Sanskrit.
The University Collection is offered freely to the Community of Scholars with the intent to promote Sanskrit Learning.

Website
https://kksu.co.in/

Digitization was executed by NMM

https://www.namami.gov.in/

Sincerely,

Prof. Shrinivasa Varkhedi
Hon'ble Vice-Chancellor

Dr. Deepak Kapade
Librarian

Digital Uploaded by eGangotri Digital Preservation Trust, New Delhi
https://egangotri.wordpress.com/

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

श्रीगणेशाय नमः ॥ अथ रावणकृतं शिवस्तोत्रं प्रारभ्यते ॥ ॥
जटाकटाहसंभ्रमभ्रमन्निलिंपनिर्झरीविलोलवीचिवल्लरीविरा
जमानमूर्धनि ॥ डगद्डगद्डगज्ज्वलज्ज्वलाट्टपट्टपावके किशोरचंद्र
शेखरे रतिः प्रतिक्षणं मम ॥ १ ॥ धराधरेंद्रनंदिनीविलासबंधुबंधुर
स्फुरद्दिगंतसंततिप्रमोदमानमानसे ॥ कृपाकटाक्षधोरणीनिरुद्ध
दुर्धरापदि क्वचिद्विदंबरेमनोविनोदमेतुवस्तुनि ॥ २ ॥ जटाभुज १
गपिंगलस्फुरत्फणामणिप्रभाकदंबकुंकुमद्रवप्रलिप्तदिग्वधूमुखे ॥

KKSU LIBRARY
RAMTEK
441 106
M-1827
List Nagpur

Acc. No. 9494M-1827
Title - शिवस्तोत्र
Author - रावण
Date - ?
Sub. - स्तोत्र.
folio - 3
Xerox - 5

Checked 2012

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

मः प्रबंधबद्धकंधरः॥ निलिंपनिस्रीधरस्तनोतुवृत्तिसिंधुरलसन्नि
धानबंधुरः श्रियंजगद्धुरंधरः॥६॥ सरोजलोचनप्रभृत्यशेषलेख
शेखरप्रसूनधूलिधोरणीविधूसरांघ्रिपीठभूः॥ भुजंगराजमाल
यानिबद्धजाटजूटकः श्रियेचिरायजायतांचकोरबंधुशेखरः॥७॥
अखर्वसर्वमंगलाकलाकदंबमंजरीरसप्रवाहमाधरीविडंबनाम
धुव्रतं॥ स्मरांतकंपुरांतकंभवांतकंमखांतकंगजांतकांधकांतकं
नमंतकांतकंभजे॥८॥ ललाटचत्वरज्वलद्धनंजयस्फुलिंगनि

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

मदांधसिंदुरासुरत्वगुत्तरीमेदुरेमनोविनोदमद्भुतेबिभर्तुफुल्ल
फनद्धि॥३॥करालभालपट्टिकाधगद्धगद्धगज्ज्वलद्धनंजयाहुतीकृ
तप्रचंडपंचसायके॥धराधरेंद्रनंदिनीकुचाग्रचित्रपत्रकप्रकल्प्य
नैकशाल्पिनित्रिलोचनेरतिर्ममा॥४॥जयत्यदभ्रविभ्रमभ्रमि
द्भुजंगमश्वसन्निसर्गनिर्गमत्करालभालहव्यवाट्॥धिमि
द्धिमिध्वनन्मृदंगतुंगमंगलध्वनिक्रमप्रवर्त्तितप्रचंडतांडवः
शिवः॥५॥नवीनमेघमंडलीनिरुद्धदुर्धरस्फुरत्कुहूनिशीथिनीत

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

पीतपंचसायकंनमन्निलिंपनायकं॥स्मरच्छिदंपुरच्छिदंभवच्छिदं
मखच्छिदंगजच्छिदंधकच्छिदंतमंतकच्छिदंभजे॥९॥नगाग्रकन्य
यतल्वयोर्भुजंगमौक्तिकस्रजोर्गरिष्ठरत्नलोष्ठयोःसुहृद्वि
षक्षपक्षयोः॥प्रणष्टदिव्यचक्षुषोःप्रजामहामहीध्रयोःसमप्रदर्शि
तंकदासदाशिवंभजाम्यहं॥१०॥कदानिलिंपनिर्झरीनिकुंजकोट
रेवसन्विमुक्तदुर्मतिःसदाशिरस्थमंजलिंवहन्॥त्रयीशिरो
ऽलिमध्यमध्यमोलिभल्लग्नकःशिवेतिमंत्रमुच्चरन्कदासुखी

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

भवाम्यहं॥११॥ पठेयुः प्रयतः शिवसन्निधौ स्तवमिमं शिवतांड
वनामकं॥ तमथसंततमुन्नतमानताः प्रतिपदं प्रणमंति सुरे
श्वराः॥१२॥ इतिश्रीरावणकृतंतांडवस्तोत्रं संपूर्णं॥श्रीत्र्यंबकस्य
निरंतरपोनाम्नामयूरेश्वरेणलिखितं॥

॥

KKSU LIBRARY
RAMTEK
441 106
Dist. Nagpur

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

[OrderDescription]
,CREATED=20.10.20 14:18
,TRANSFERRED=2020/10/20 at 14:19:48
,PAGES=5
,TYPE=STD
,NAME=S0004226
,Book Name=M-1827-TANDAV STROT
,ORDER_TEXT=
,[PAGELIST]
,FILE1=00000001.TIF
,FILE2=00000002.TIF
,FILE3=00000003.TIF
,FILE4=00000004.TIF
,FILE5=00000005.TIF
,

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection